- यदि आपके बच्चे का जन्म एक या अधिक महीने से पहले हुआ है या जन्म के समय वजन 2 किलोग्राम या उससे कम है तो आपके बच्चे को आंखों की जांच की आवश्यकता होगी।

- इसका कारण यह है कि कुछ बच्चे जो आठवें महीने या उससे पहले पैदा होते है उन्हें आंखो की समस्या हो सकती है जिन्हें रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेचुरिटी कहते हैं।

क्या आपके बच्चे का वजन जन्म के समय 2 किलो से कम था?

- इस स्थिति से दृष्टि को गंभीर हानि हो सकती है।

- यदि जन्म के 30 दिनों के भीतर आंखों की जांच की जाए और तुरंत इलाज हो तो बच्चे की दृष्टि सुरक्षित हो सकती है।

भले ही आंखे बाहर से पूरी तरह से सामान्य दिखाई दे, पर अंदर से रेटिनोपैथी ऑफ प्रीमेचुरिटी से प्रभावित हो सकती है । यही कारण है कि आँखों के डॉक्टर को आँखों की अंदर से जांच करने की जरूरत होती है।

पहली जांच जन्म के 30 दिनों के अंदर होनी चाहिए। नेत्र विशेषज्ञ को एक से अधिक बार आपके बच्चे की आंखों की जांच करनी पड़ सकती है. यह महत्वपूर्ण है कि आप उनकी सलाह का पालन करें भले ही आपका बच्चा घर वापस आ गया हो। अगर उपचार की आवश्यकता होती है तो इसे 2-3 दिनों के भीतर करा लेना चाहिए।

मेरे बच्चे की आँखों की जांच कैसे की जाएगी?

जांच केवल कुछ मिनट की होती है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है। पहले एक नर्स दोनों आँखों में आँख की दवा डालती है और फिर एक नेत्र विशेषज्ञ एक चमकदार रोशनी का उपयोग करके आंखों की अंदर से जांच करते है।

कब मेरे बच्चे की आंखों की जांच होनी चाहिए?

याद रखें

- यदि आपके बच्चे का जन्म एक या अधिक महीने से पहले हुआ है या जन्म के समय वजन 2 किलोग्राम या उससे कम है तो आपके बच्चे को आंखों की जांच की आवश्यकता होगी।
- पहली जांच जन्म के 30 दिनों के भीतर होनी चाहिए।
- एक से ज्यादा बार आखों की जांच करनी पड़ सकती हैं।
- जांच एक नेत्र विशेषज्ञ द्वारा की जाती है और यह पूरी तरह से सुरक्षित है।
- यदि उपचार की आवश्यकता होती है तो इसे 2-3 दिनों के अंदर करा लेना चाहिए।

इस अस्पताल में आंखों की जांच नि:शुल्क है।

INDIAN INSTITUTE OF PUBLIC HEALTH HYDERABAD

LONDON SCHOOL of HYGIENE &TROPICAL MEDICINE

THE QUEEN ELIZABETH DIAMOND JUBILEE TRUST

क्या आपका बच्चा 9 महीने से पहले पैदा हुआ है ?